Signature and Name of Invigilator 1. (Signature) ______ (In figures as per admission card) (Name) ______ 2. (Signature) _____ Roll No. ______ (Name) ______

J 9 2 1 0

Test Booklet No.

Time : 2 \(^1/_2\) hours PAPER-III [Maximum Marks : 200 HUMAN RIGHTS AND DUTIES

Number of Pages in this Booklet: 24

Instructions for the Candidates

(Name)

- 1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

No Additional Sheets are to be used.

- 3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below:
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.
- 4. Read instructions given inside carefully.
- 5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
- 6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
- 7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- 8. Use only Blue/Black Ball point pen.
- 9. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.

Number of Questions in this Booklet: 26

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- 1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।

- 3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्निलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है:
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
- 4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपर्वक पढें।
- 5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
- 6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।
- 9. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।

J-9210 P.T.O.

HUMAN RIGHTS AND DUTIES (NEW) मानव अधिकार एवं कर्त्तव्य (नया)

PAPER – III प्रश्नपत्र – III

Note: This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

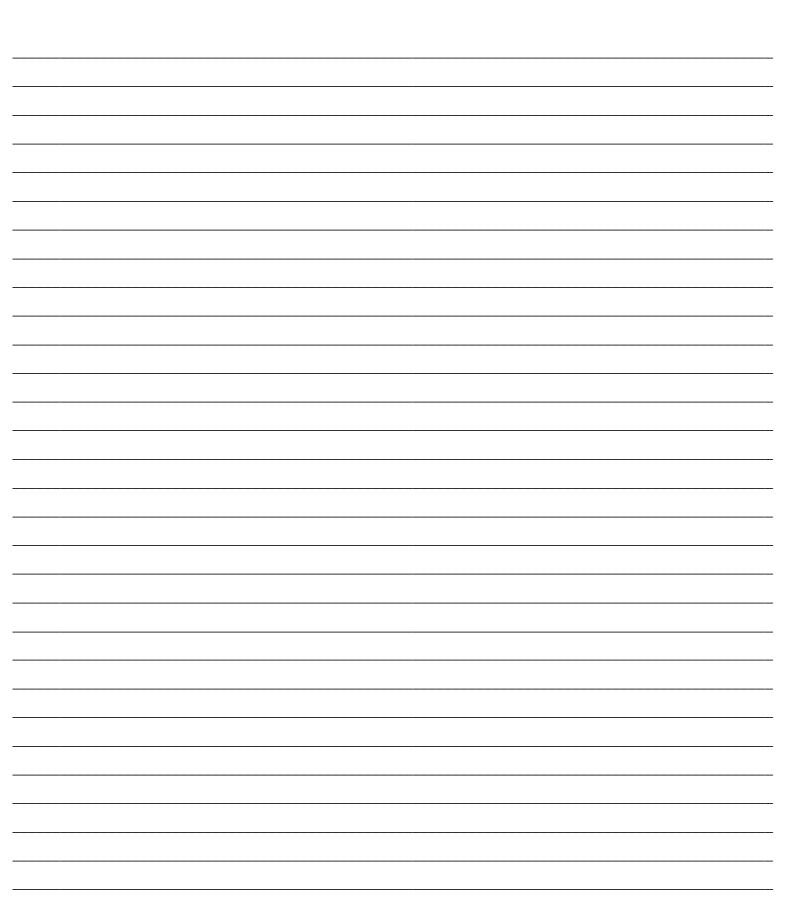
नोट: यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION – I

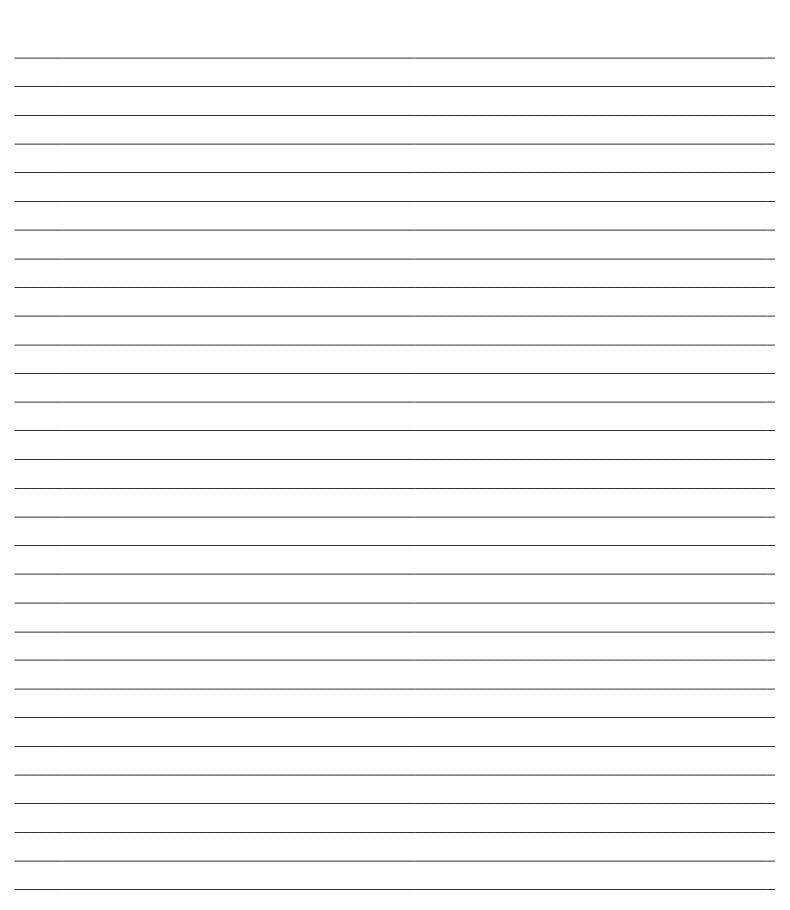
खंड - I

| Note: | This section consists of two essay type questions of twenty (20) marks, each to be |
|-------|---|
| नोट : | answered in about five hundred (500) words each. ($2 \times 20 = 40 \text{ marks}$) इस खंड में बीस-बीस अंकों के दो निबन्धात्मक प्रश्न हैं, जिनका उत्तर लगभग पाँच सौ (500) शब्दों में अपेक्षित |
| नाट . | है । $(2 \times 20 = 40 \text{ sia})$ |
| | $(2 \times 20 = 40 \text{ sab})$ |
| 1. | Critically evaluate and expound constitutional governance by State applying A.V. Dicey's Rule of Law. ए.वी. डाइसी के विधि शासन का प्रयोग करते हुए राज्य द्वारा सांविधानिक शासन की समीक्षा और व्याख्या कीजिए। |
| | OR / अथवा |
| | |
| | Write a critical essay on, 'Feminist perspective of Human Rights – a mirage'. 'मानवाधिकारों का स्त्रीवादी परिप्रेक्ष्य – एक मृग मरीचिका' पर आलोचनात्मक निबन्ध लिखिए । |
| | मानवाविकारा का स्त्रावादा पारप्रदेय – एक मृग मराचिका 'पर आलाचनात्मक निबन्द ।लाखए । |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

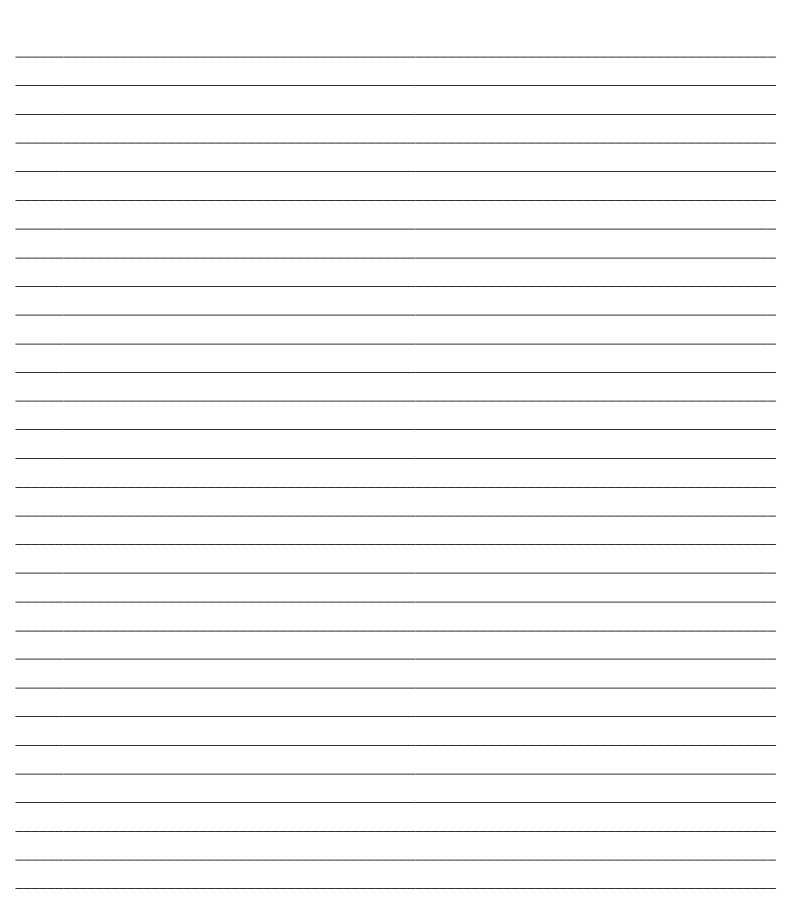
| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |



| 2. | Critically discuss the impact of TRIPs on India. भारत पर ट्रिपस् (टी आर आई पी एस) के प्रभाव की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए । OR / अथवा Critically analyse and evaluate effectiveness and enforcement of the Directive Principles of State Policy. राज्य नीति के निदेशक सिद्धान्तों की प्रभावपूर्णता और प्रवर्तन की समीक्षा और मूल्यांकन कीजिए । |
|----|---|
| | |
| | |
| | |
| | |

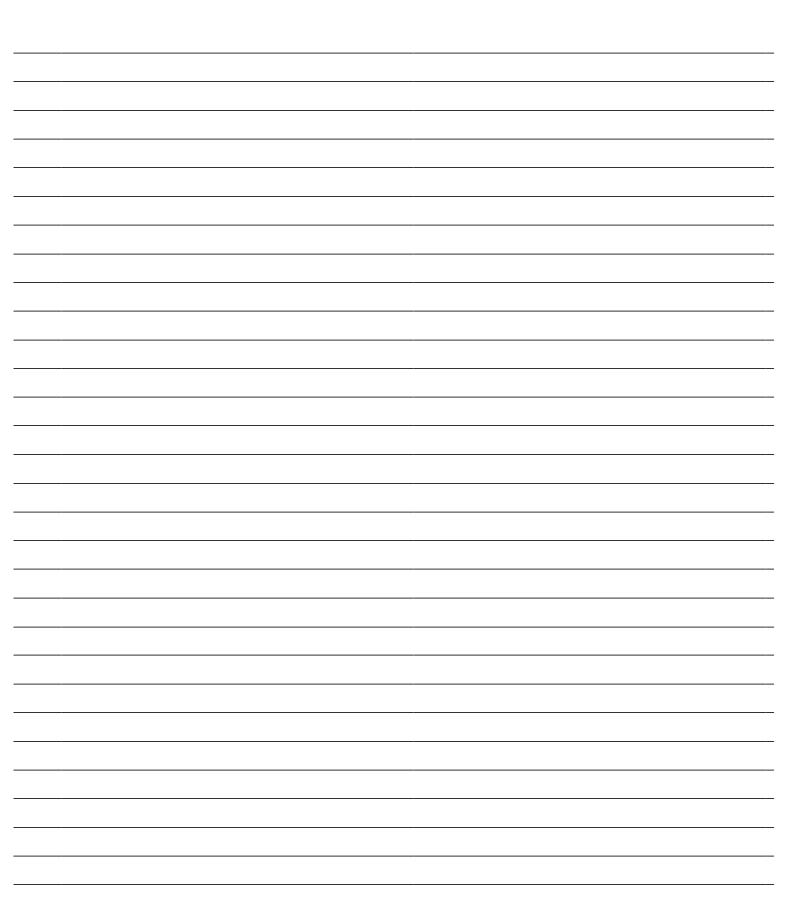


| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

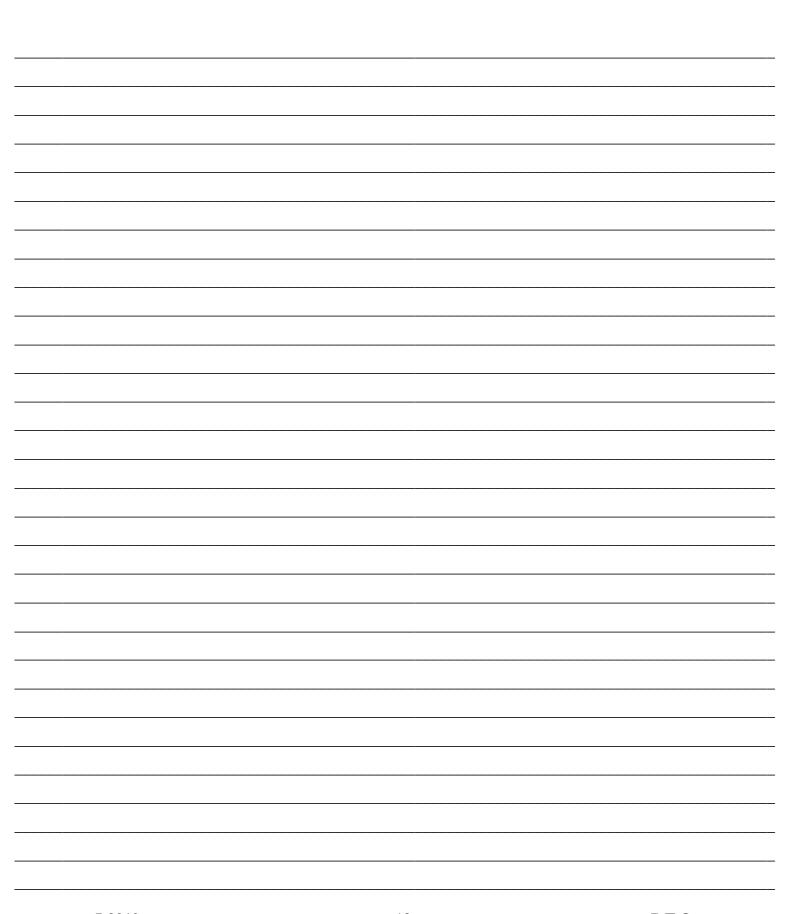


SECTION – II खंड – II

| Note: | This section contains three (3) questions of fifteen (15) marks each, to be answered in about three hundred (300) words. $(3 \times 15 = 45 \text{ marks})$ |
|-------|---|
| नोट : | इस खंड में पन्द्रह-पन्द्रह अंकों के तीन (3) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीन सौ (300) शब्दों में अपेक्षित है । (3 × 15 = 45 अंक) |
| 3. | Critically analyse the relative merits and demerits of the basic need and sustainable human development approach for the protection of Human Rights. मानविधकारों की सुरक्षा हेतु मूलभूत आवश्यकता और धारणीय मानव विकास उपागम के तुलनात्मक गुण-अवगुणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए । |
| 4. | To what extent the Constitution of India provides the social foundation for change and continuity of Indian Civilization. भारतीय सभ्यता के परिवर्तन एवं निरन्तरता के लिये भारतीय संविधान किस हद तक सामाजिक आधार प्रदान करता है ? |
| | Evaluate the impact of science and technology on human rights, duties and eternal human values. मानवाधिकारों, कर्त्तव्यों और बाह्य मानवीय मूल्यों पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रभाव का मूल्यांकन कीजिए । |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

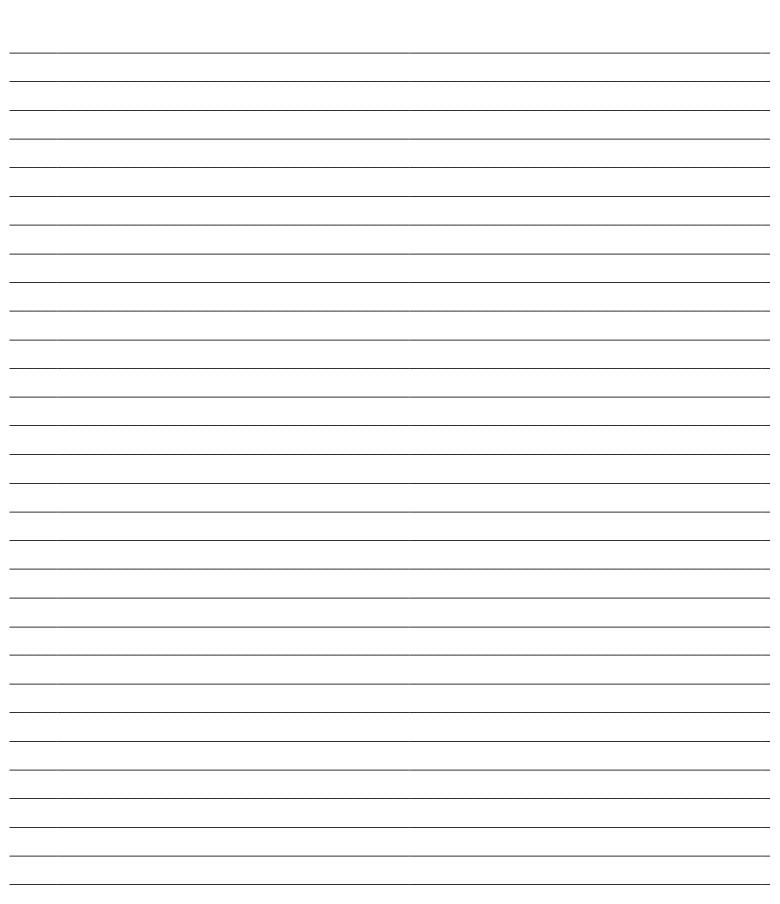


| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |



| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

14



| |
|------|
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |
| |

SECTION – III खंड – III

Note: This section contains nine (9) questions of ten (10) marks, each to be answered in

| नोट : | about fifty (50) words. इस खंड में दस-दस (10-10) अंकों के नौ (9) प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर र | (9 × 10 = 90 marks) लगभग पचास (50) शब्दों में | |
|------------|---|---|--|
| | अपेक्षित है । | (9 × 10 = 90 अंक) | |
| 6. | Define Indian Concepts of Danda Neeti, Nyaya and Dharma. दंड नीति, न्याय और धर्म की भारतीय अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए । | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| 7. | Explain the origin of natural rights and human duties. प्राकृतिक अधिकारों और मानवीय कर्त्तव्यों के उद्गम को स्पष्ट कीजिए । | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| J-9210 | 17 | P.T.O. | |

| 8. | Define social stratification. सामाजिक स्तरिवन्यास की परिभाषा दीजिए । |
|-----|--|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 9. | What is the role of United Nations High Commissioner for refugees in protecting refugees ? शरणार्थियों का संरक्षण करने में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्च आयुक्त की क्या भूमिका है ? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 10. | State features of Islamic Declaration of Human Rights. मानवाधिकारों की इस्लामी घोषणा की विशेषताएँ बताइए । |
| | |
| | |

| | |
|------|---|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 11. | What is the contribution of UNDP on right to development ? विकास के अधिकार के सम्बन्ध में यू.एन.डी.पी. का योगदान क्या है ? |
| | |
| | |
| | |
| 12. | What is the impact of NGOs on Human Rights ? मानवाधिकारों पर गैर-सरकारी संस्थाओं का क्या प्रभाव है ? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| | |
|------|--|
| | |
| 13. | Discuss the importance of human rights education in the third world countries. तृतीय विश्व के देशों में मानवाधिकार शिक्षा के महत्त्व की विवेचना कीजिए । |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 14. | Define 'sexual harassment' as laid down by the judiciary. न्यायपालिका द्वारा निर्धारित ''यौन उत्पीड़न'' की व्याख्या कीजिए । |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

SECTION - IV खंड - IV

Note: This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

 $(5 \times 5 = 25 \text{ marks})$

नोट: इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । $(5 \times 5 = 25 \text{ sim})$

The idea of rights passed from the classical to the modern world through medieval Christian philosophy. This process was complex and remains rather obscure. Christian philosophers incorporated the classical idea of natural law into the Christian conception of divine law in their attempts to justify the right to private property. At the same time various medieval power-holders, such as landowners and urban corporations, asserted claims to customary and legal rights against monarchs seeking to increase their own power and wealth. The Magna Carta (1215) is a famous example of such demands. The Protestant Reformation made freedom of conscience a fundamental political issue of early modern Europe. In 17th century England the principles of property rights and religious toleration came together in resistance to the absolutist pretensions of the Stuart monarchy. John Locke gave these ideas philosophical expression in his Second Treatise of Government, in which he claimed that everyone had natural rights to life, liberty and property and that Government was a trust established to protect these rights through the rule of law. His theory was based on Christian natural-law philosophy but provided the outlines of the modern conception of human rights.

The idea of natural rights was particularly influential in America, where the demand for freedom of conscience and resistance to excessive taxation were exceptionally strong, and in France, where absolute monarchy was reluctant to grant civil liberties, such as freedom of expression and conscience, that had been won in England. The American Declaration of Independence (1776) justified the revolt against British rule in terms of 'unalienable rights' to life, liberty and the pursuit of happiness.

अधिकारों का विचार मध्यकालीन ईसाई दर्शन के माध्यम से आधुनिक विश्व को हस्तांतिरत हुआ । यह प्रिक्रिया जिटल थी और बल्कि अस्पष्ट बनी हुई है । ईसाई दार्शिनकों ने, निजी सम्पित्त के अधिकार को न्यायसंगत ठहराने के अपने प्रयास में, प्राकृतिक सिद्धान्त के क्लासीकीय विचार को दिव्य सिद्धान्त की ईसाई संकल्पना में समाविष्ट कर लिया है । इसके साथ ही साथ विभिन्न मध्यकालीन सत्ताधारी जैसे भू-स्वामी और नगरीय निगमों ने अपनी स्वयं की सत्ता और सम्पदा बढ़ाने की चेष्टा करते हुए, अधिपितयों के विरुद्ध प्रचिलत एवं कानूनी अधिकारों पर दावा किया । मेग्ना कार्टा (1215) ऐसी मांगों का प्रसिद्ध उदाहरण है । प्रोटेस्टेंट सुधार ने विवेक की स्वतन्त्रता को आरम्भिक आधुनिक यूरोप का आधारभूत राजनैतिक मुद्दा बना दिया है । सत्रहवीं शताब्दी के इंग्लैंड में सम्पत्ति अधिकारों के सिद्धान्त और धार्मिक सिहष्णुता स्टुअर्ट राजतन्त्र के निरपेक्षतावादी आडम्बर का मुकाबला करने के लिए एक हो गए । जॉन लॉक ने अपनी पुस्तक, 'सेकेण्ड ट्रीटाइज़ ऑफ गवर्नमेंट' में इन

विचारों को दार्शनिक अभिव्यक्ति दी, जिसमें उसने दावा किया कि जीवन, स्वतन्त्रता और सम्पत्ति पर प्रत्येक का प्राकृतिक अधिकार है, और कि सरकार एक न्यास है जो विधि के शासन के माध्यम से इन अधिकारों की सुरक्षा करने के लिये स्थापित किया गया है । उसका सिद्धान्त ईसाई प्राकृतिक सिद्धान्त दर्शन पर आधारित था, परन्तु यह मानव अधिकारों की आधुनिक संकल्पना की रूपरेखा प्रदान करता है ।

प्राकृतिक अधिकारों का विचार अमेरिका में विशेष रूप से प्रभावशाली है । अमेरिका में विवेक की स्वतन्त्रता की मांग और अत्यधिक करारोपण का विरोध असाधारण रूप से मजबूत है, और फ्रान्स में, जहाँ निरपेक्ष राजतन्त्र सिविल स्वतन्त्रताएँ जैसे कि अभिव्यक्ति और विवेक की स्वतन्त्रता देने में अनिच्छुक था, जब कि इंग्लैंड में यह प्राप्त कर ली गई थी । अमरीकन स्वतन्त्रता घोषणा (1776) ने जीवन, स्वतन्त्रता और सुख की खोज के अन-अन्यसंक्रामण अधिकारों के सम्बन्ध में ब्रिटिश शासन के विरुद्ध बगावत को न्यायसंगत ठहराया ।

| 15. | What was the role of Christian philosophers in complex process of idea of rights from the classical to the modern world ? क्लासीकीय से आधुनिक विश्व तक अधिकारों के विचार की जटिल प्रक्रिया में ईसाई दार्शनिकों की क्या भूमिका थी ? |
|-----|--|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 16. | What was the role of medieval power holders in the above process ? उपर्युक्त प्रक्रिया में मध्यकालीन सत्ताधारियों की क्या भूमिका थी ? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

| 17. | What was contribution of resistance to the absolutist pretensions of the Stuart monarchy? स्टुअर्ट राजतन्त्र के निरपेक्षतावादी आडम्बरों के प्रति विद्रोह की क्या भूमिका थी? |
|------|--|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 18. | What was the content of Second Treatise of Government ? सेकेण्ड ट्रीटाइज़ ऑफ गवर्नमेंट की विषय वस्तु क्या थी ? |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| 19. | What was the role of idea of natural rights in America and France in this context ? इस सन्दर्भ में अमेरिका और फ्रान्स में प्राकृतिक अधिकारों के विचार की क्या भूमिका थी ? |
| | |
| | |
| | |
| | |

23

P.T.O.

J-9210

| FOR OFFICE USE ONLY | | | | | |
|---------------------|----------|--|--|--|--|
| Marks Obtained | | | | | |
| Question | Marks | | | | |
| Number | Obtained | | | | |
| 1 | | | | | |
| 2 | | | | | |
| 3 | | | | | |
| 4 | | | | | |
| 5 | | | | | |
| 6 | | | | | |
| 7 | | | | | |
| 8 | | | | | |
| 9 | | | | | |
| 10 | | | | | |
| 11 | | | | | |
| 12 | | | | | |
| 13 | | | | | |
| 14 | | | | | |
| 15 | | | | | |
| 16 | | | | | |
| 17 | | | | | |
| 18 | | | | | |
| 19 | | | | | |
| 20 | | | | | |
| 21 | | | | | |
| 22 | | | | | |
| 23 | | | | | |
| 24 | | | | | |
| 25 | | | | | |
| 26 | | | | | |

| Total Marks Obtained (III words) | ••••• | | | | |
|-------------------------------------|-------|--|--|--|--|
| (in figures) | | | | | |
| Signature & Name of the Coordinator | | | | | |
| Signature & Name of the Coordinator | | | | | |
| (Evaluation) | Date | | | | |